झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज-2023

चर्चा में क्यों?

- 9 सतिंबर, 2023 को झारखंड के धनबाद आईआईटी आईएसएम द्वारा आयोजति झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज-2023 के ग्रैंड फनिाले का रजिल्ट जारी कर दयिा गया है, जसिमें पूर्वी सहिभूम का लोयला स्कूल स्टेट चैंपयिन बना।

प्रमुख बदिु

- वदिति है कि पर्यावरणवदिों के लयि कचरे में फेंकी जाने वाली प्लास्टकि की बोतल हमेशा चिंता का वषिय बनी रही है। वे हमेशा इसके उचति प्रबंधन के तरीके तलाशते रहते हैं। इसी दशिा में पूर्वी संहिभूम के लोयोला स्कूल की टीम ने इस समस्या का रचनात्मक समाधान दयिा है।
- पूर्वी सहिभूम के लोयला स्कूल के छात्र सागर कुमार व संकल्प कुमार ने यूज़ (प्रयुक्त) व बेकार प्लास्टकि को उपयोगी पदार्थ में बदलने की तकनीक वकिसति की है।
- लोयोला स्कूल, जमशेदपुर के छात्रों की टीम ने कचरा में फेंक दी जाने वाली प्लास्टकि की बोतल से काम की चीज़ें तैयार करने वाला थ्री डी प्रटिंर तैयार कयिा है। यह थ्री डी प्रटिंर पहले मशीन की मदद से प्लास्टकि की बोतलों को काट कर महीन फाइबर में बदल देता है, फरि इस फाइबर को मोल्ड कर थ्री डी प्रटिंर से उपयोगी सामान बना देता है। यह प्रोजेक्ट कचरा प्रबंधन का रचनात्मक तरीका है।
- आईआईटी आईएसएम का नरेश वशिष्ट सेंटर फॉर इनोवेशन एंड टकिरगि (एनवीसीटीआई) इस उत्पाद की मार्केटगि में सहयोग करेगा।
- प्रतयिोगति में देवघर ज़िला के मधुपुर के महेंद्र मुनि सिरस्वती वदि्या मंदरि की टीम द्वतिीय और जमशेदपुर के हलि टॉप स्कूल की टीम तृतीय स्थान पर रही।
- इनके साथ ही क्रमश: चौथे और पाँचवें स्थान पर रही डीबीएमएस इंग्लशि स्कूल जमशेदपुर और एसडीएसएम स्कूल जमशेदपुर की टीम को सांत्वना पुरस्कार दयिा गया।
- ग्रैंड फनिाले में पूरे राज्य से 10 स्कूल की टीम पहुँची थी। पुरस्कृत पाँच बेस्ट आइडयिा में चार जमशेदपुर के स्कूलों की टीम हैं।
- मुख्य अतथिवि झारखंड टेक्नकिल यूनविर्सटिी के कुलपति प्रो. (डॉ.) डीके सहि ने वजिेता टीम को को 50 हज़ार रुपए नकद पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानति कयिा।
- महेंद्र मुनि सिरस्वती वदि्या मंदरि की टीम (अमन कुमार, अंशु कुमार व रोशन कुमार) ने मलिकर फायर फाइटर ड्रोन वकिसति कयिा है। यह ड्रोन खुद से पास के जल स्रोत से पानी उठा कर आग पर इसका छड़िकाव करने में सक्षम है।
- अमन कुमार ने बताया कि उन्हें इसे वकिसति करने का वचिार देवघर के एक स्कूल में चार-पाँच महीने पहले लगी आग की वजह से आया। तीनों ने मलिकर करीब दो महीने पहले इस प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कयिा था। इस ड्रोन को वकिसति करने की पूरी लागत 14 हज़ार रुपए है। इसमें 2200 एमएएच बैटरी का उपयोग कयिा गया है। यह ड्रोन बजिली आपूर्ति करती है।
- हलि टॉप पब्लकि स्कूल, जमशेदपुर की टीम (आरुष कुमार, दर्शलि त्रपिाठी और सदि्धार्थ सहि) ने कसिानों के लयि मददगार खेत रक्षक ऐप तैयार कयिा है। यह ऐप समय रहते बताएगा कि खेतों में लगी फसलों पर टड्डिों का कब हमला होने वाला है। इससे कसिान समय रहते खेतों में कीटनाशकों का इस्तेमाल कर टड्डिों का हमला रोक सकते हैं।
- साथ ही, यह ऐप फसलों में होने वाली बीमारयिों की पहचान में सक्षम है। इसके बाद कसिान अपनी फसलों की सुरक्षा के उपाय कर सकते हैं। यह ऐप कसिानों के व्हाट्सअप के साथ एसएमएस के ज़रयि हर पाँच मनिट में खेतों की अद्यतन स्थतिकिी जानकारी देगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jharkhand-school-innovation-challenge-2023